

an>

Title: Regarding alleged attempts made by the Union Government to destabilize elected State Governments.

श्री महिलकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : महोदया, आपका धन्यवाद, क्योंकि आपने इस महत्वपूर्ण विषय पर मुझे अपनी बात रखने के लिए समय दिया, इसलिए मैं आपका आभारी हूँ। खासकर के आज जो हम एडजर्नमेंट मोशन के रूप में लाए थे, यह बहुत ही महत्वपूर्ण सबजेक्ट है। एक तो लोकतंत्र की दृष्टि से, संविधान की रक्षा की दृष्टि से और सारे देश में जो डेमोक्रेटिकली इलेक्टड गवर्नमेंट्स हैं यानी पूजातंत्र के आधार पर, उसूलों पर, तत्वों पर जो सरकारें बनती हैं, उन सरकारों की डिफाजत करना सरकार का कर्तव्य होता है और सरकार को इस तरह ध्यान देकर अपना कदम उठाना चाहिए। ऐसा हो रहा है कि उनके जो दिल में हैं, उन्होंने यह ठान लिया है कि इस देश में कांग्रेस मुक्त भारत करने का स्टोगन वे देते जा रहे हैं।... (व्यवधान) आप सुनिए, आप उड़िए मत।... (व्यवधान) आप जरा बैठ जाइए।... (व्यवधान)

महोदया, इसीलिए इनका यह प्रयास रहा, इनकी यह कोशिश रही कि जिस जगह भी उनको अवसर मिलता है, उस जगह डीस्टेबलाइज करके अपनी गवर्नमेंट लाने की कोशिश कर रहे हैं।... (व्यवधान) ऐसा ही अरुणाचल प्रदेश में हुआ, ऐसा ही उत्तराखंड में हुआ और मणिपुर में भी कोशिश किए, वह नहीं हुआ, हिमाचल प्रदेश में भी कोशिश करने की उन्होंने अपनी पूरी ताकत लगाई, वह नहीं हुआ।... (व्यवधान) हर जगह वे अपनी कोशिश कर रहे हैं और... * अधिकार ग्रहण करने की कोशिश कर रहे हैं।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बीच में क्यों बोल रहे हैं? वे सक्षम हैं।

श्री महिलकार्जुन खड़गे: ये चीजें लोक हित में और जनतंत्र में ठीक नहीं हैं। आज हुआ क्या है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपना जजमेंट 13 जुलाई को दिया और जो अरुणाचल प्रदेश में उन्होंने कदम उठाया था और इनके गवर्नर ने जो किया था, उनके एक्शन के खिलाफ आज सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा... * है कि शायद आइन्दा ऐसी हरकतें वे कभी नहीं करेंगे, ऐसा मैं समझता हूँ।... (व्यवधान) लेकिन फिर भी उनकी यह आदत है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : लंबा भाषण नहीं देना है।

â€!(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे: क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण है और मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने हमें बोलने का मौका दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अरुणाचल प्रदेश सरकार को रिस्टोर करने का फैसला किया।... (व्यवधान)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): माननीय अध्यक्ष महोदया, असंसदीय शब्द का जो इस्तेमाल किया, ... *शब्द का जो इस्तेमाल किया, उसे रिकार्ड से हटाना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष : अब तक जो भी असंसदीय शब्द होंगे, उनको कार्यवाही से निकाल देंगे। तमाचा शब्द को भी कार्यवाही से निकाल देंगे।

श्री महिलकार्जुन खड़गे: हिन्दुस्तान के इतिहास में यह फैसला सुनकर अक्षरों में लिखा जाएगा। ... (व्यवधान) होम मिनिस्टर उतर देने वाले हैं, आप क्यों बोलते हैं? ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ज़ीरो आवर में थोड़े शब्दों में बात करते हैं खड़गे जी।

श्री महिलकार्जुन खड़गे: यह फैसला सुनकर अक्षरों में लिखा जाएगा क्योंकि किसी राज्य में मौजूदा सरकार को हटाकर पुरानी सरकार को वापस लाने का सुप्रीम कोर्ट का यह पहला आदेश है। हम सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान को अपहैल्ड किया और कभी कभी यहाँ कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट एक्जीक्यूटिव पावर एसर्ट कर रही है, सुप्रीम कोर्ट अपने को एसर्ट करके नए कानून बना रही है। हम कहते हैं और बाहर भी मैंने ऐसा सुना कि सरकार के लोगों ने ऐसे शब्द उनके विरोध में अपनाए। लेकिन मैं पूछता हूँ कि जब ऐसी हरकतें आप करते हैं जो कानून के विरोध में, संविधान के विरोध में, और वहाँ की जनता-जनार्दन की इच्छा के विरोध में हों, जब आप ऐसे काम करते हैं, तब सुप्रीम कोर्ट को इंटरफियर करना पड़ता है और कहना पड़ता है कि आप जो कर रहे हैं, वह गलत कर रहे हैं, इसलिए इस सरकार को फिर से लाना पड़ेगा। यह जो उनकी आदत है, इसको छोड़ना चाहिए। 9 दिसम्बर, 2015 को दिए गए गवर्नर के आदेश पर लिए गए विधान सभा के सभी फैसलों को भी रद्द कर दिया गया है।

माननीय अध्यक्ष : इतना लंबा भाषण नहीं देते हैं। मैंने केवल मामला उठाने के लिए कहा। आप फिर किसी नियम के तहत डिमांड करो तो हम इस पर चर्चा भी करवा देंगे।

â€!(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे: मैं थोड़े में अपनी बात कहूँगा। यह डेट बताना इसलिए ज़रूरी है कि किस ढंग से यह हुआ। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वह तो सबको मातूम है। I am sorry.

श्री महिलकार्जुन खड़गे: मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूँ क्योंकि यह लोकतंत्र के ढाँचे के ऊपर आक्रमण है और लोकतंत्र को खत्म करने की बात हो रही है, उसकी हत्या हो रही है, संविधान की हत्या हो रही है। ... (व्यवधान) मैं सिर्फ एक पैराग्राफ आपको सुनाऊँगा।

माननीय अध्यक्ष : अभी नहीं।

श्री महिलकार्जुन खड़गे: सिर्फ पाँच वाक्य हैं।

"On 3.11.2015, the Governor of Arunachal Pradesh issued an order under article 174(1) of the Constitution of India on the aid and advice of the Chief Minister and his Council of Ministers summoning the State Assembly for its Sixth Session on 14.1.2016. On 16.11.2015, a notice of Resolution was given by 16 MLAs of INC for removal of the Deputy-Speaker, Shri T.N. Thongdok. On 19.11.2015, a notice of resolution was given by 11 MLAs belonging to the BJP alongwith two independent MLAs for removal of the elected Speaker of the Legislative Assembly, Shri Nabam Rebia."

यानी आपके पास संख्या बल नहीं है, लेकिन फिर भी आप जोड़-तोड़ कर वहाँ पर सरकार बनाने के लिए और जनता की तरफ से वहाँ इलैक्ट हुई दो-तिहाई मेजॉरिटी को तोड़कर अगर आप अपनी सरकार वहाँ पर बैठाना चाहते हैं तो आप संविधान का कितना सम्मान कर रहे हैं, इससे जाहिर होता है। हम बाबासाहब अंबेडकर की 125वीं साल की जयंती मना रहे हैं। संविधान के लिए हर जगह भाषण हो रहा है। पूरा साल अंबेडकर के जीवन के बारे में बात हो रही है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आई ऐम सॉरी राजनाथ जी, जब मैं अगले आइटम पर गई, मैंने आपकी तरफ देखा नहीं था, इसलिए मैं इस पर चली गई थी। You can make a statement, if you want to.

प्लीज बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात कंप्लीट हो गई।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

...(Interruptions)â€¦ *

माननीय अध्यक्ष : राजनाथ जी, बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा थोड़े ही होता है, चित में भी और पुट में भी, आई ऐम सॉरी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : राजनाथ जी, केवल आपकी बात रिकार्ड में जाएगी।

â€¦(Interruptions)â€¦ *

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदया, कांग्रेस संसदीय दल के नेता श्री खड़गे जी ने हम लोगों के ऊपर आरोप लगाए हैं। ... (व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record but the statement of Shri Rajnath Singh.

...(Interruptions)â€¦ *

श्री राजनाथ सिंह : सही है या गलत है, इसका फैसला तो बाद में होगा। ... (व्यवधान) मैं इस पर बहुत डिटेल में चर्चा करने के लिए नहीं खड़ा हुआ हूँ। अगर चाहेंगे तो मैं उसके लिए तैयार हूँ। अगर चाहेंगे तो मैं तैयार हूँ। ... (व्यवधान) एक मिनट, मेरी बात सुनिए। ... (व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : मैडम, बहस करा लीजिए। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कोई नोटिस देंगे तो बहस होगी। क्या ऐसे बहस होती है? आप भी समझते हैं। आप तय करें, करेंगे। आज क्यों उठाया फिर?

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record but the statement of Shri Rajnath Singh.

...(Interruptions)â€¦ *

श्री राजनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदया, चाहे अरूणाचल राज्य की सरकार का पूंज हो अथवा उत्तराखंड राज्य की सरकार का पूंज हो, उसकी चर्चा करते हुए खड़गे साहब ने यह कहा है कि इस गवर्नमेंट की एक आदत हो गई है, इस गवर्नमेंट का यह स्वभाव है, पॉपुलर गवर्नमेंट को डिस्टैबलाइस करना, वहां प्रेसीडेंट रूल इंपोज करना, यह इस गवर्नमेंट का स्वभाव है। ... (व्यवधान) यह इस गवर्नमेंट की आदत है, यह आरोप उन्होंने हमारी सरकार के ऊपर लगाया है। ... (व्यवधान) मैं खड़गे साहब से यह कहना चाहता हूँ कि सचमुच गवर्नमेंट्स को डिस्टैबलाइस करना, पॉपुलर गवर्नमेंट को भंग करना, यदि किसी की इस आजाद भारत में सबसे पुरानी आदत है तो वह कांग्रेस पार्टी की आदत है। ... (व्यवधान) मैं उदाहरण देना चाहता हूँ कि जब से आजादी हासिल हुई है, तब से लेकर आज तक 105 बार बराबर पॉपुलर गवर्नमेंट को डिस्टैबलाइस करने का काम यदि किसी ने किया है तो इनकी सरकार ने किया है, हमारी सरकार ने कभी नहीं किया। ... (व्यवधान)

दूसरी बात, मैं यह कहना चाहता हूँ कि उत्तराखंड और अरूणाचल में जो संकट पैदा हुआ है, उस संकट को मैं दुर्भाग्य मानता हूँ। किसी भी पॉपुलर गवर्नमेंट को, किसी को भी डिस्टैबलाइस नहीं करना चाहिए। यह हेल्दी डेमोक्रेसी का तकाजा है, क्योंकि बराबर यदि पॉपुलर गवर्नमेंट्स को ही डिस्टैबलाइस करते रहेंगे तो हेल्दी डेमोक्रेसी हमारी कद्री में किसी भी सूरत में सर्वाइव नहीं कर पाएगी। इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि उत्तराखंड और अरूणाचल में जो कुछ भी दुर्भाग्यपूर्ण संकट पैदा हुआ, वह कांग्रेस के आंतरिक संकट के कारण पैदा हुआ। ... (व्यवधान) यह इनकी इंटरनल क्राइसिस है जिसके कारण यह पैदा हुआ। ... (व्यवधान) मैं आपको उदाहरण देना चाहता हूँ। ... (व्यवधान) जिस समय उत्तराखंड की असेंबली चल रही थी, उस समय कांग्रेस के नौ विधायकों ने खड़े होकर अपनी सरकार का विशेष किया था। ... (व्यवधान) इसीलिए उत्तराखंड में यह संकट पैदा हुआ है। ... (व्यवधान) जहां तक अरूणाचल प्रदेश के संकट का पूंज है, भारतीय जनता पार्टी ने कहीं पर कांग्रेस के विधायकों के बीच डिसइनटिग्रेशन करने, तोड़ने का काम नहीं किया है बल्कि स्वयं कांग्रेस पार्टी अरूणाचल प्रदेश में टूट गई और उसके बाद दू थर्ड लोगों ने अलग होकर सरकार बनाई है। ... (व्यवधान) इससे भारतीय जनता पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। ... (व्यवधान)

मैं अंतिम बात कहना चाहता हूँ कि यदि इनकी नाव में छेद हो और उस छेद वाली नाव को यदि आप पानी में डालेंगे तो नाव का डूबना तय है। ... (व्यवधान) उसके लिए पानी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता कि पानी नाव में घुस गया, इसलिए नाव डूब गई। ... (व्यवधान) सचमुच यदि छेद है तो आपकी नाव में है और जिस नाव में छेद है, उसका डूबना तय है, दुनिया की कोई ताकत नहीं बचा सकती। ... (व्यवधान) यदि पानी में डालेंगे तो उसमें पानी घुसेगा। ... (व्यवधान)

